ब्रिटिश गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

(British Governor/Governor General/Viceroy)

बंगाल के गवर्नर

क्लाइव : 1757–1760, 1765–1767

अवध के नवाब शुजाउद्दौला तथा मुगल सम्राट शाहआलम के साथ 1765 में 'इलाहाबाद की संधि', बंगाल में द्वैध शासन, 'सोसायटी फॉर ट्रेड' की स्थापना।

हॉलवेल : 1760

इसी ने ब्लैक होल की घटना का वर्णन किया था।

वेन्सिटार्ट : 1760–65

बक्सर का युद्ध (1764)

वेरेलस्ट : 1767–69

- प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध (1767–69)

कर्टियर : 1769 –72

1770 में बंगाल में आधुनिक भारत का प्रथम अकाल पड़ा।

वारेन हेस्टिंग्स : 1772–74

- रेगुलेटिंग एक्ट (1773)

बंगाल के गवर्नर जनरल (यह पद रेगुलेटिंग एक्ट 1773 के द्वारा बनाया गया था)

Sujeet Bajpai Sir

वारेन हेस्टिंग्स : 1774–1785

रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 के तहत वारेन हेस्टिंग्स बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल बना, प्रथम आंग्ल–मराठा युद्ध (1775–82), द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780–84), रेग्युलेटिंग एक्ट के तहत कलकत्ता में उच्चतम न्यायालय की स्थापना (1774), पिट्स इंडिया एक्ट (1784), वारेन हेस्टिंग्स पर भारत में किए गए कार्यों के लिए इंग्लैंड में महाभियोग चलाया गया।

लॉर्ड कार्नवालिस : 1786–1793

तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790–92), बंगाल में स्थायी भूमि बंदोबस्त प्रणाली की शुरूआत (1793), भारतीय नागरिक सेवा का जनक, कार्नवालिस संहिता (1793)।

सर जॉन शोर : 1793–1798

लॉर्ड वेलेजली : 1798–1805

'सहायक संधि प्रणाली' द्वारा भारत में अंग्रेजी साम्राज्य का विस्तार, चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध (1799), द्वितीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1803–1805), फोर्ट विलियम कॉलेज की कलकत्ता में स्थापना, 31 दिसम्बर, 1802 को बाजीराव द्वितीय के साथ बेसीन की संधि।

सर जार्ज बार्लो : 1805–1807

- वेल्लौर मे सिपाही विद्रोह (1806)

लॉर्ड मिण्टो प्रथम : 1807–1813

- अमृतसर की संधि रणजीत सिंह के साथ (1809)

लॉर्ड हेस्टिंग्स : 1813–1823

प्रथम आंग्ल–नेपाल युद्ध (1814–16), तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1816–1818), पिंडारियों का दमन (1817–1818)

लॉर्ड एमहर्स्ट : 1823–1828

प्रथम आंग्ल – बर्मा युद्ध (1824–26)

भारत के गवर्नर जनरल (यह पद चार्टर अधिनियम 1833 से बनाया गया था)

Sujeet Bajpai Sir

लॉर्ड विलियम बैंटिक : 1828–1835

बंगाल के अंतिम गवर्नर जनरल तथा भारत के प्रथम गवर्नर जनरल। सती प्रथा समाप्त (1829), ठगी की समाप्ति (स्लीमैन ने ठगों के विरूद्ध अभियान किया–1830), 1833 का चार्टर अधिनियम, कलकत्ता में मेडिकल कॉलेज की स्थापना (1835)

चार्ल्स मेटकॉफ : 1835–1836

भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता

लॉर्ड ऑकलैण्ड : 1836–1842

प्रथम आंग्ल–अफगान युद्ध (1838–42)

लॉर्ड एलनबरो : 1842–1844

सिंध का अंग्रेजी राज्य में अगस्त, 1843 में चार्ल्स नेपियर के नेतृतव में विलय कर लिया।

लार्ड हार्डिंग : 1844–1848

प्रथम आंग्ल–सिक्ख युद्ध (1845–1846)

लॉर्ड डलहौजी : 1848–1856

द्वितीय आंग्ल–सिक्ख युद्ध (1848–49), 29 मार्च, 1849 को पंजाब का अंग्रेजी राज्य में विलय, द्वितीय आंग्ल–बर्मा युद्ध (1850), प्रसिद्ध 'व्यपगत के सिद्धांत' की शुरूआत, कुशासन के आरोप में अवध पर कब्जा (1856 में), प्रथम रेलवे लाइन बनी (1853), सर चार्ल्स वुड का शिक्षा नीति पर डिस्पैच, प्रथम विद्युत तार की शरूआत (1852), पहली बार डाक टिकटों का प्रचलन। सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा लोक सेवा विभाग की स्थापना।

भारत के वायसराय (यह पद भारत शासन अधिनियम 1858 से बनाया गया था)

लॉर्ड कैनिंग : 1856–1862

भारत के अंतिम गवर्नर–जनरल तथा प्रथम वायसराय। 1857 का विद्रोह, 1856 का विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1858 का एक्ट, महारानी विक्टोरिया भारत की साम्राज्ञी घोषित, बम्बई, मद्रास तथा कलकत्ता में विश्वविद्यालयों की स्थापना (1857), 1861 का भारतीय परिषद् अधिनियम, भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861 के अंतर्गत कलकत्ता, बंबई तथा मद्रास मे एक–एक उच्च न्यायालय की स्थापना, भारतीय दंड संहिता (1858), सिविल दंड प्रक्रिया संहिता (1859)

Sujeet Baipai Sir

लॉर्ड एल्गिन प्रथम : 1862–1863

सर जॉन लॉरेन्स : 1864–1869

अकाल की जाँच के लिए कैम्पबेल आयोग (1866).

लॉर्ड मेयो : 1869–1872

प्रथम जनगणना (1872–अपूर्ण)

अजमेर मे मेयो कॉलेज की स्थापना, कार्यकाल के दौरान ही एक अफगान द्वारा अंडमान में हत्या।

लॉर्ड नार्थब्रुक : 1872–1876

लॉर्ड लिटन : 1876–1880

साहित्य की दुनिया मे इसे ओवन मेरिडिथ कहते थे।

रिचर्ड स्ट्रेची की अध्यक्षता में एक अकाल आयोग का गठन (1878), दिल्ली में एक भव्य दरबार का आयोजन (1877), महारानी विक्टोरिया को 'कैसर–ए–हिन्द' की उपाधि (1877), प्रसिद्ध वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट तथा इंडियन आर्म्स एक्ट (1878), अनुबंधित सिविल सेवा में सम्मिलित होने वाले भारतीयों की आयु 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष की गई, द्वितीय आंग्ल–अफगान युद्ध (1878–80)

लॉर्ड रिपन : 1880–1884

प्रथम कारखाना अधिनियम (1881), स्कूली शिक्षा हेतु 'हंटर आयोग' की नियुक्ति (1882), प्रसिद्ध इल्बर्ट बिल विवाद (1885), स्थानीय स्वशासन की शुरूआत (1882), प्रथम जनगणना करवाई गई (1881) जनगणना को प्रत्येक दसवें वर्ष करवाने की योजना बनाई गई।

लॉर्ड डफरिन : 1884–1888

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885), तृतीय आंग्ल–बर्मा युद्ध (1885–1888)।

लैंसडाउन : 1888–1894

भारतीय परिषद अधिनियम – 1892 पारित, दूसरा कारखाना अधिनियम (1891)

लॉर्ड एल्गिन द्वितीय : 1894–1899

लॉयल कमीशन के नाम से अकाल आयोग का गठन, चाफेकर बंधुओं द्वारा पूना में दो अंग्रेज अधिकारियों की हत्या (1897)।

Sujeet Baipai Sir

लॉर्ड कर्जन : 1899–1905

नये प्रांत 'उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत' का गठन, यंग हस्बेंड के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ल्हासा (तिब्बत) गया (1904), भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम (1904), भारत लोक सेवा मंडल का गठन (1905), सर डब्लू फ्रेजर की अध्यक्षता में पुलिस आयोग का गठन (1902), सर एण्टनी मैकडॉनल की अध्यक्षता में अकाल आयोग का गठन (1900), प्राचीन स्मारक परिरक्षक अधिनियम (1904), बंगाल विभाजन (1905), सर कॉलिन स्कॉट मॉनक्रीफ के नेतृत्व में 'सिंचाई आयोग' की स्थापना (1901), रेलवे बोर्ड का गठन (1905)।

लॉर्ड मिंटो द्वितीय : 1905–1910

मुस्लिम लीग का गठन (1906), खुदीराम बोस को फाँसी, तिलक को 6 वर्ष का कारावास (1908), भारतीय परिषद् अधिनियम अथवा मार्ले मिंटो सुधार अधिनियम पारित (1909), सूरत में कांग्रेस का विभाजन (1907)।

लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय : 1910–1916

ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम का भारत आगमन (12 दिस. 1911), दिल्ली में बंगाल विभाजन रद्द तथा भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली हस्तांतरित करने की घोषणा (1911), दिल्ली राजधानी बनी (1912), हार्डिंग के दिल्ली प्रवेश के समय उन पर बम फेंका गया (23 दिस., 1912), प्रथम विश्व युद्ध की शुरूआत (1914), गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस लौटे (1915)।

लॉर्ड चेम्सफोर्ड : 1916–1921

तिलक और बेसेंट द्वारा क्रमशः अप्रैल एवं सितंबर में होमरूल लीग की स्थापना (1916), बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा (1916), गांधी जी का चंपारण सत्याग्रह (अप्रैल, 1917), रौलेट एक्ट (अप्रैल, 1919), गाँधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन की शुरूआत (1 अगस्त, 1920), प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना (पूना, 1916), शिक्षा पर सैडलर आयोग की स्थापना (1917), जलियाँवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919), माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार अधिनियम (1919)।

लॉर्ड रीडिंग : 1921–1926

प्रिंस ऑफ वेल्स का भारत आगमन (1 नवम्बर, 1921), चौरी–चौरा काण्ड (5 फरवरी, 1922), असहयोग आंदोलन समाप्त (11 फरवरी, 1922), काकोरी ट्रेन डकैती काण्ड (9 अगस्त, 1925), कानपुर में अखिल भारतीय साम्यवादी दल का गठन (1924)।

Sujeet Bajpai Sir

लॉर्ड इर्विन : 1926–1931

साइमन कमीशन की नियुक्ति (1927), साइमन कमीशन का भारत आगमन पर विरोध (1928), भारतीय संविधान के सिद्धांतों के प्रतिवादन के लिए मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट प्रस्तुत की गई (1928), सांडर्स की हत्या, दिल्ली के असेंबली हॉल में भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त द्वारा बम फेंका गया (8 अप्रैल, 1929), शारदा विधेयक अधिनियम बना (1929), कांग्रेस ने अपने लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' की घोषणा की (31 दिस. 1929), गांधी जी ने ऐतिहासिक 'दांडी यात्रा' प्रारंभ की (12 मार्च, 1930), सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ, साइमन कमीशन की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन सम्पन्न (नव. 1930), गांधी–इर्विन समझौता (5 मार्च 1931)।

लॉर्ड विलिंगटन : 1931–1936

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में गांधी जी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया (1 दिस., 1931), ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडॉनल्ड ने ऐतिहासिक साम्प्रदायिक निर्णय की घोषणा की (16 अगस्त, 1932), तृतीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन (दिस. 1932), भारत सरकार अधिनियम (4 अगस्त 1935)।

लॉर्ड लिनलिथगो : 1936–1944

नये चुनाव, बहुमत के साथ कांग्रेस ने नई सरकारें स्थापित कीं, द्वितीय विश्वयुद्ध के समय कांग्रेस की प्रांतीय सरकारों ने इस्तीफा दिया (अक्टूबर 1939), हरिपुरा के कांग्रेस अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए (19 फरवरी, 1938), त्रिपुरी कांग्रेस सेशन में गांधी जी के विरोध के बाद भी सुभाष दोबारा अध्यक्ष चुने गए। (मार्च 1939), गांधी जी के विरोध के कारण सुभाष का कांग्रेस से त्यागपत्र (अप्रैल 1939) तथा फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना, वायसराय द्वारा अगस्त प्रस्ताव (8 अगस्त, 1940), क्रिप्स के नेतृत्व में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया (मार्च 1942), कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गांधी जी ने 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' पास करवाया, भारत छोड़ों आंदोलन शुरू (9 अगस्त 1942)

लॉर्ड वेवेल : 1944–1947

बम्बई में नौसेना ने विद्रोह किया (18 फरवरी, 1946), कैबिनेट मिशन भारत पहुँचा (मार्च 1946), मुस्लिम लीग ने कैबिनेट प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए। 16 अगस्त 1946 को प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाया, संविधान सभा के चुनाव (1 जुलाई, 1946), जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन (2 सितम्बर 1946), संविधान सभा की प्रथम बैठक (9 दिसम्बर, 1946) ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली ने

Sujeet Bajpai Sir

अपनी ऐतिहासिक घोषणा में 3 जून, 1948 तक भारत के स्वतंत्र होने की बात कही (20 फरवरी, 1947)।

लॉर्ड माउंटबेटन : 1947–1948

'थर्ड जून प्लान' (3 जून योजना) के अनुसार वॉयसराय ने भारत के विभाजन की घोषणा की (3 जून 1947), प्रधानमंत्री एटली द्वारा ब्रिटेन के 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में भारत की स्वतंत्रता का विधेयक प्रस्तुत किया गया (4 जुलाई, 1947), भारत स्वतंत्र हुआ (15 अगस्त 1947)।

सी. राजगोपालाचारी (1948–50)

भारत के अंतिम गवर्नर जनरल, 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने भारत का संविधान अंगीकृत किया तथा 26 जनवरी 1950 को लागू किया, गवर्नर जनरल का पद समाप्त कर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।

Sujeet Bajpai Sir